

Sect. 20. p. 41. edit. Bipont. αἰσθήσει] Cod. Bodlei. αἰσθητι.  
 μοχ ὥστε ποιῆ et ἐφελκομένη pro  
 ὥστε ποιῆν et ἐφελκόμενος ibi-  
 dem. Caeterum monente Rou-  
 thio Canterus Nou. Lectt. 5, 15.  
 legi volebat ἐσθησι pro αἰσθήσει.

ἀκολουθήσει] ἀκολουθήσαι Codd.  
 Bodlei. et Reg.

ὀφθητικῇ] Codd. Bodlei. et Reg.  
 ὀφποιικῇ, et paullo post iterum.

διέστηκεν] Routhius lectionem  
 Βαί. 2. διέστηκαν praefert. Post  
 pro φύρονται in Cod. Bodlei. est  
 φύονται.

Sect. 20. p. 42. edit. Bipont. ἀλλ' αὐτὸ αὐτῷ] Cod. Bodlei. ἀλ-  
 λά τὸ αὐτὸ.

ἀνεκρίνετο] Codd. Bodlei. et Reg.  
 διεκρίνετο.

ὀφθητικῇ] Codd. Bodlei. et  
 Reg. ὀφποιικῇ.

ὁμοῦ ἂν — ἐφύρετο] Cod. Bodlei.  
 ὁμοῦ γὰρ, et ἐφέρετο pro ἐφύρετο  
 Codd. Bodlei. et Reg.

ἀκρίτων τ' ὄντων — ὀφθητικῶν.]  
 Cod. Bodlei. ἀκρίτων ὄντων τῶν τε  
 ἰατρικῶν καὶ τῶν ὑγιεινῶν καὶ ὀφ-  
 ποιικῶν. A Cod. Reg. abest τε  
 post ἀκρίτων etiam.

μακρὸν λόγον] Codd. Bodlei. et  
 Reg. συχνὸν pro μακρὸν. quam  
 lectionem etiam margo Stephania-  
 nae editionis habet.

οὐδὲν οἷος ἦσθα,] Cod. Bodlei. οὐ-  
 δὲν οἷος τ' οἷσθα. Sed Cod. Reg.  
 οὐδὲν οἷος τε ἦσθα.